

वशिव स्वास्थय सभा का 75वां सत्र

प्रलिमिंस के लयि:

वशिव स्वास्थय संगठन, वशिव स्वास्थय सभा, मान्यता प्राप्त सामाजकि स्वास्थय कार्यकरत्ता (आशा) ।

मेन्स के लयि:

वशिव स्वास्थय सभा, वशिव स्वास्थय संगठन के कामकाज में भारत की भागीदारी ।

चरचा में क्यों?

वशिव स्वास्थय सभा का 75वां सत्र [वशिव स्वास्थय संगठन \(WHO\)](#) के मुख्यालय जनिवा में 22 से 28 मई, 2022 तक आयोजति कयि जा रहा है ।

- केंद्रीय स्वास्थय एवं परवार कल्याण मंत्री ने एक अधकि लचीले वैश्वकि स्वास्थय सुरक्षा ढाँचा के नरिमाण की दशिा में भारत की प्रतबिद्धता पर ज़ोर दयि ।
- वशिव स्वास्थय सभा, 2022 का वषिय 'शांति के लयि स्वास्थय, स्वास्थय के लयि शांति' है ।
- भारत के मान्यता प्राप्त 'सामाजकि स्वास्थय कार्यकरत्ताओं (आशा)' को 75वें वशिव स्वास्थय सभा में ग्लोबल हेल्थ लीडरस अवार्ड से सम्मानति कयि गया, ताकि 'वैश्वकि स्वास्थय को आगे बढ़ाने, नेतृत्व करने और कषेत्रीय स्वास्थय के मुद्दों के प्रतप्रतबिद्धता' के लयि उनके उत्कृष्ट योगदान को मान्यता दी जा सके ।

वशिव स्वास्थय सभा:

परचिय:

- वशिव स्वास्थय सभा सदस्य राष्ट्रों का प्रतनिधित्व करने वाले प्रतनिधियों से बनी है ।
- प्रत्येक राष्ट्र का प्रतनिधित्व अधकितम तीन प्रतनिधियों द्वारा कयि जाता है जनिमें से कसिी एक को मुख्य प्रतनिधि के रूप में नामति कयि जाता है ।
- इन प्रतनिधियों को स्वास्थय के कषेत्र में उनकी तकनीकी क्षमता के आधार पर सबसे योग्य व्यक्तियों में से चुना जाता है क्योंकि ये सदस्य राष्ट्र के राष्ट्रीय स्वास्थय प्रशासन का अधमिान्य प्रतनिधित्व करते हैं ।
- वशिव स्वास्थय सभा की बैठक नयिमति रूप से वार्षकि सत्र और कभी-कभी वशिष सत्रों में भी आयोजति की जाती है ।

वशिव स्वास्थय सभा के कार्य:

- वशिव स्वास्थय सभा WHO की नीतियों का नरिधारण करती है ।
- यह संगठन की वत्तीय नीतियों की नगिरानी करती है एवं बजट की समीक्षा तथा अनुमोदन करती है ।
- यह WHO तथा संयुक्त राष्ट्र के मध्य होने वाले कसिी भी समझौते के संदर्भ में आर्थकि एवं सामाजकि परषिद (Economic and Social Council) को रपिर्ट करती है ।

75वें सत्र में केंद्रीय मंत्रियों के संबोधन की मुख्य वशिषताएँ:

- अधकि लचीले वैश्वकि स्वास्थय सुरक्षा संरचना के लयि टीकों और चकित्सिा वधिान हेतु WHO की अनुमोदन प्रकरयिा को सुव्यवस्थति करने की आवश्यकता है । बौद्धकि संपदा पहलुओं सहति टीकों व दवाओं तक समान पहुँच की अनुमति दी जानी चाहयि ।
- लागत प्रभावी अनुसंधान, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और कषेत्रीय वनरिमाण क्षमता प्राथमकिता सूची में होनी चाहयि ।
- WHO के अनुसार, भारत में कोवडि के कारण 4.7 मलियिन मौतें (आधकिारकि आँकड़े का 10 गुना) दर्ज की गई हैं । इसलयि WHO के हालयिा अभ्यास पर चतिा व्यक्त की गई, जसिमें कोवडि-19 से सभी कारणों से अधकि मृत्यु दर दर्ज की गई है ।
- भारत ने WHO से भारत के रजसिटरार जनरल (RGI) द्वारा नागरकि पंजीकरण प्रणाली (CRS) के माध्यम से प्रकाशति देश-वशिषिट प्रामाणकि डेटा पर वचिार करने का आग्रह कयि ।
- डेटा भवषियवाणी के गणतीय मॉडल के उपयोग पर भरोसा नहीं कयि जाना चाहयि । नतीजतन, केंद्रीय स्वास्थय और परवार कल्याण परषिद (संवधिान के अनुच्छेद 263 के तहत स्थापति) ने इस संबंध में WHO के दृष्टकिण की नदिा करते हुए एक सर्वसम्मत् प्रस्ताव पारति कयि ।

मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता (ASHA):

परिचय:

- 'आशा' राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मशिन (NHRM) के प्रमुख घटकों में से एक है।
- ये 25-45 वर्ष के आयु वर्ग में एक सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता होती हैं, जो महिलाओं और बच्चों सहित ग्रामीण आबादी के वंचित वर्गों की स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिये संपर्क के पहले बटु के रूप में कार्य करती हैं।
- आमतौर पर प्रति 1000 जनसंख्या पर एक आशा होती है। हालाँकि जिनजातीय, पहाड़ी और रेगिस्तानी क्षेत्रों में काम के बोझ के आधार पर इस मानदंड को "एक आशा प्रतिबिस्ती" तक कम किया जा सकता है।

ज़म्मेदारियाँ और भूमिका:

- लोगों को पोषण, बुनियादी स्वच्छता और स्वच्छ पत्राओं, स्वस्थ रहने तथा काम करने की स्थिति आदि के बारे में जानकारी प्रदान करके स्वास्थ्य निर्धारकों के बारे में जागरूकता पैदा करना।
 - वह मौजूदा स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में भी जानकारी प्रदान करती है और लोगों को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण सेवाओं के समय पर उपयोग के लिये प्रोत्साहित करती है।
- जन्म की तैयारी, सुरक्षा प्रति प्रसव के महत्त्व, स्तनपान, गर्भनरोधक, टीकाकरण, बच्चे की देखभाल और प्रजनन पथ के संक्रमण/यौन संचारित संक्रमण (आरटीआई / एसटीआई) की रोकथाम पर **महिलाओं को परामर्श देना।**
- समुदाय को एकत्रित करके गाँव/उप-केंद्र/प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर प्रसवपूर्व जाँच (एएनसी), प्रसवोत्तर जाँच (पीएनसी), टीकाकरण, स्वच्छता और अन्य स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच को सुगम बनाना।
- ग्राम पंचायत की ग्राम स्वास्थ्य एवं स्वच्छता समिति के सहयोग से कार्य कर **व्यापक स्वास्थ्य योजना का विकास करना।**
- संशोधित राष्ट्रीय कषय रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत बुखार, दस्त और **मामूली चोटों जैसे मामूली विकारों के लिये** प्राथमिक चिकित्सा देखभाल प्रदान करना।
- **गर्भवती महिलाओं और उन बच्चों के** लिये अनुरक्षण की व्यवस्था करना जिन्हें उपचार की आवश्यकता है या जिन्हें निकटतम स्वास्थ्य देखभाल सुविधा हेतु भर्ती करने की आवश्यकता है।
- उप-केंद्रों/प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को अपने गाँव में जन्म और मृत्यु तथा समुदाय में किसी भी बीमारी के प्रकोप/असामान्य स्वास्थ्य चितियों के बारे में सूचित करना।

स्रोत: द हट्टू

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/75-th-session-of-world-health-assembly>

